NEWSLETTER

Saturday, 21 september 2024 | Volume - 116

News | Cotton Weekly Physical chart | Share Market Update | Important News

भा.क.नि.
CCI
भारतीय कपास निगम लिमिटेड
(भारत सरकार का उपक्रम, वस्त्र मंत्रालय के अंतर्गत)
The Cotton Corporation of India Ltd.

जानिए "भारतीय कपास निगम (CCI): की स्थापना, उद्देश्य, कार्यशीलता और इसके फायदे"

GOLD : 74014
SILVER : 90080
CRUDE OIL : 5976

जानिए "भारतीय कपास निगम (CCI): की स्थापना, उद्देश्य , कार्यशीलता और इसके फायदे"

भारतीय कपास निगम (CCI) की स्थापना 31 जुलाई 1970 को की गई थी। इसका मुख्य उद्देश्य कपास के व्यापार को सुव्यवस्थित करना और किसानों के हितों की रक्षा करना था। भारत में कपास की खेती एक महत्वपूर्ण कृषि गतिविधि है, लेकिन अतीत में कपास किसानों को कई समस्याओं का सामना करना पड़ता था, जैसे कि बाजार में मूल्य में भारी गिरावट, उचित मूल्य न मिलना, और कपास की गुणवत्ता में सुधार की आवश्यकता।

CCI शुरू करने के कारण:

• **किसानों को उचित मूल्य दिलाना :** 1970 से पहले, कपास की कीमतों में अत्यधिक उतार-चढ़ाव होता था, जिससे किसानों को नुकसान होता था। CCI का गठन इसलिए किया गया ताकि कपास के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) तय किया जा सके और किसानों को उचित कीमत दिलाई जा सके।

• **बाजार में स्थिरता लाना :** कपास की कीमतों में अस्थिरता से किसानों और व्यापारियों दोनों को नुकसान होता था। CCI की शुरुआत इसलिए की गई ताकि बाजार में स्थिरता बनी रहे और कपास की कीमतें किसानों के हित में संतुलित रहें।

• **कपास की गुणवत्ता सुधारना :** CCI के जरिए सरकार का उद्देश्य किसानों को उच्च गुणवत्ता वाले बीज और खेती के लिए तकनीकी जानकारी प्रदान करना था, जिससे उत्पादन की गुणवत्ता में सुधार हो और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी भारतीय कपास की मांग बढ़ सके।

• **कपास के निर्यात को बढ़ावा देना :** CCI का एक और प्रमुख उद्देश्य था भारतीय कपास के निर्यात को बढ़ावा देना। इसके तहत CCI किसानों से कपास खरीदकर उसे अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भेजता है, जिससे विदेशी मुद्रा अर्जित होती है और भारतीय कपास की पहचान वैश्विक स्तर पर मजबूत होती है।

CCI का उद्देश्य किसानों को फसल की उचित कीमत दिलाना और कपास उद्योग में स्थिरता और विकास को प्रोत्साहित करना था, ताकि किसानों की आर्थिक स्थिति में सुधार हो सके।

भारतीय कपास निगम (CCI) का कार्य और किसानों के लिए लाभ

भारतीय कपास निगम (CCI) का मुख्य उद्देश्य भारत में कपास व्यापार को सुव्यवस्थित करना और किसानों को कपास की सही कीमत दिलाना है। यह निगम 1970 में स्थापित किया गया था और यह सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम है।

CCI के कार्य :

• **कपास की खरीद:** CCI, कपास की सरकारी न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) पर खरीद करता है ताकि किसानों को बाजार में कीमतों में गिरावट की स्थिति में नुकसान न हो।

• **किसानों की सुरक्षा:** अगर बाजार में कपास की कीमतें MSP से कम होती हैं, तो CCI सीधा किसानों से कपास खरीदता है। इससे किसानों को अपनी उपज को कम दामों पर बेचने की मजबूरी नहीं होती।

• **कपास की गुणवत्ता:** CCI सुनिश्चित करता है कि किसानों को अच्छी गुणवत्ता की बीज और खेती संबंधी मार्गदर्शन मिल सके ताकि कपास का उत्पादन बेहतर हो सके।

•**विपणन समर्थन:** CCI, कपास के विपणन में भी मदद करता है और इसे घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंचाने का काम करता है। इससे किसानों को अच्छे दाम मिलने की संभावना बढ़ती है।

किसानों के लिए लाभ :

• **MSP की गारंटी:** CCI किसानों को उनकी फसल के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी देता है, जिससे उन्हें नुकसान से बचाया जा सके।

• **बाजार में स्थिरता:** CCI द्वारा की गई खरीद से बाजार में स्थिरता बनी रहती है और कीमतों में अत्यधिक उतार-चढ़ाव से बचाव होता है।

• **सहायता और मार्गदर्शन:** CCI किसानों को खेती के दौरान तकनीकी सहायता और जानकारी प्रदान करता है जिससे वे उत्पादन की गुणवत्ता को सुधार सकें।

• **भुगतान में पारदर्शिता:** CCI के माध्यम से किसानों को सीधे भुगतान मिलता है, जिससे उन्हें बाजार के बिचौलियों से बचाया जा सकता है।

CCI का मुख्य उद्देश्य किसानों को कपास की सही कीमत दिलाकर उनकी आय में सुधार करना है, जिससे उनका आर्थिक सशक्तिकरण हो सके।

Download Our App "SIS CONNECT" For Daily Updates. CLICK HERE

FOR MORE INFORMATION
CONTACT - +91 - 91119 77775

कपास बाजार की साप्ताहिक गतिविधि पर एक नजर

SMART INFO SERVICES			
CALL : 91116 77771			
WEEKLY CHART 21.09.2024			
ICE COTTON			
MONTH	13.09.24	20.09.24	WEEKLY CHANGE
DEC	69.82	73.52	3.70
MAR'25	71.24	75.14	3.90
MAY'25	72.41	76.16	3.75
MCX (COTTON)			
SEP	58600	58500	-100
NOV	58100	58800	700
NCDEX (KAPAS)			
APRIL	1615.2	1625.5	10
NCDEX (COCUD KHAL)			
SEP	3715	3650	-65
DEC	3069	3031	-38
JAN	3015	2989	-26
SMART INFO SERVICE		CALL : 91116 77771	
CURRENCY ($)			
INDIAN (Rupee)	83.89	83.56	-0.33
PAK (Pakistani Rupee)	278.575	278.245	-0.33
CNY (Chinese yuan)	7.09305	7.05059	-0.04246
BRAZIL (Real)	5.56502	5.51463	-0.05039
AUSTRALIAN Dollar	1.49164	1.46886	-0.02278
MALAYSIAN RINGGITS	4.30195	4.20307	-0.09888
COTLOOK "A" INDEX	81.95	84.55	2.6
BRAZIL COTTON INDEX	70.52	72.05	1.53
USDA SPOT RATE	63.76	67.13	3.37
MCX SPOT RATE	59760	59920	160
KCA SPOT RATE (PAKISTAN)	18500	18700	200
GOLD ($)	2610.70	2646.20	35.5
SILVER ($)	31.074	31.505	0.431
CRUDE ($)	68.65	71.00	2.35

इस सप्ताह, इंटरनेशनल मार्केट मे मिलाजुला वाला माहौल रहा।

इंटरकांटिनेंटल कॉटन एक्सचेंज के भाव दिसंबर 3.70 सेंट, मार्च 3.90 एवं मई 3.75 सेंट तक बढ़े।

वही भारतीय बाजार MCX पर कॉटन के दाम में सितम्बर माह में 100 रुपऐ की गिरावट रही, वहीं नवंबर माह में 700 रुपऐ की बढ़त देखने को मिली।

NCDEX पर कपास के भाव 10 रूपए प्रति 20 किलो तक बढ़े, वहीं खल के भाव देखे तो सितम्बर माह में 65 रुपए, दिसंबर माह में 38 रुपए, और जनवरी माह में 26 रुपए प्रति क्विंटल की गिरावट दर्ज की गई।

अन्य देशों के कॉटन मार्केट पर नजर करें तो कॉटलुक "ए" इंडेक्स में बढ़त देखी गई, USDA स्पॉट रेट 3.37 सेंट बढ़ा, वही MCX स्पॉट रेट में 160 रुपए प्रति कैंडी भाव में बढ़त देखने को मिली।

देश भर के प्रमुख कपास उत्पादक राज्यों में इस सप्ताह कपास की आवक

SMART INFO SERVICES						
ALL INDIA COTTON WEEKLY ARRIVAL						
CALL : 91116 77771						
STATE	16.09.24	17.09.24	18.09.24	19.09.24	20.09.24	21.09.24
PUNJAB	-	-	-	-	-	-
HARYANA	100	200	100	250	300	400
UPPER RAJASTHAN	-	-	-	-	-	-
LOWER RAJASTHAN	-	-	-	-	-	-
NORTH ZONE	100	200	100	250	300	400
GUJARAT	1,700	2,400	1,700	2,700	2,900	2,900
MADHYA PRADESH	3,000	2,000	3,000	1,500	2,500	3,000
MAHARASHTRA	1,500	1,500	1,500	1,500	1,500	1,500
CENTRAL ZONE	6,200	5,900	6,200	5,700	6,900	7,400
KARNATAKA	1,000	1,600	1,000	1,500	1,500	2,000
ANDHRA PRADESH	800	500	800	1,000	1,000	790
TELANGANA	-	-	-	300	400	-
TAMILNADU	-	-	-	-	-	-
SOUTH ZONE	1,800	2,100	1,800	2,800	2,900	2,790
ODISHA	-	-	-	-	-	-
TOTAL	8,100	8,200	8,100	8,750	10,100	10,590
ARRIVAL IN 170 Kg.						

खरीफ सीजन में कपास की कम बुआई से उत्पादन में गिरावट के बीच भारत के कपड़ा निर्यात लक्ष्य प्रभावित हो सकते हैं

मौजूदा खरीफ सीजन में कपास की बुआई में कमी से भारत की महत्वाकांक्षी कपड़ा निर्यात लक्ष्यों को पूरा करने की क्षमता को लेकर चिंताएं बढ़ रही हैं। उद्योग सूत्रों के अनुसार, यह ऐसे समय में हुआ है जब भारतीय रेडीमेड गारमेंट (आरएमजी) निर्यातक बांग्लादेश में चल रहे संकट का फायदा उठाने की उम्मीद कर रहे थे।

कृषि मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, 13 सितंबर तक कपास की बुआई घटकर 11.24 मिलियन हेक्टेयर रह गई, जबकि पिछले साल इसी अवधि में 12.36 मिलियन हेक्टेयर थी। यह गिरावट हाल के वर्षों में भारतीय कपास उत्पादन के सामने पहले से ही मौजूद चुनौतियों को और बढ़ा देती है।

उद्योग के एक अंदरूनी सूत्र ने कहा, "उत्पादन में कमी आ रही है और इस साल कम बुआई के स्तर से कपास की गांठों का उत्पादन और कम होने की उम्मीद है।" उम्मीद है कि तमिलनाडु, तेलंगाना और कर्नाटक में गर्मियों में बुआई से अतिरिक्त योगदान के साथ बुआई 11.6 मिलियन हेक्टेयर तक पहुंच सकती है।

निर्यात पर प्रभाव

कपास उत्पादन में गिरावट से भारत के कपड़ा निर्यात पर असर पड़ सकता है, जो पहले से ही गिरावट की ओर है। वित्त वर्ष 22 में 41.12 बिलियन डॉलर के शिखर पर पहुंचने के बाद, वित्त वर्ष 23 में कपड़ा निर्यात गिरकर 35.55 बिलियन डॉलर और वित्त वर्ष 24 में 34.40 बिलियन डॉलर पर आ गया। कपास की बुआई में कमी के कारण, वित्त वर्ष 25 तक सरकार के 40 बिलियन डॉलर से अधिक के निर्यात लक्ष्य को प्राप्त करना चुनौतीपूर्ण होगा।

भारत का कपास उत्पादन, जो वित्त वर्ष 20 में 36 मिलियन गांठ तक पहुंच गया था, घट रहा है, वित्त वर्ष 24 के लिए वर्तमान अनुमान 32 मिलियन गांठ है।

अन्य फसलों की ओर रुख

पुरानी बीज तकनीक और उच्च श्रम लागत के कारण कई कपास किसान सोयाबीन और धान जैसी वैकल्पिक फसलों की ओर रुख कर रहे हैं। महाराष्ट्र के एक कपास किसान गणेश नानोटे ने कहा, "सोयाबीन जैसी अन्य फसलों की तुलना में कपास की खेती के लिए अधिक संसाधनों और प्रयासों की आवश्यकता होती "है, जिससे यह किसानों के लिए कम आकर्षक हो जाता है।

बढ़ते निर्यात लक्ष्य

भारत के कपड़ा और परिधान उद्योग के 10% CAGR से बढ़ने का अनुमान है, जो 2030 तक 350 बिलियन डॉलर तक पहुँच जाएगा। देश का लक्ष्य 2030 तक कपड़ा निर्यात को 100 बिलियन डॉलर तक बढ़ाना भी है। हालाँकि, कपास की कम बुआई और कपास की बढ़ती कीमतें इस महत्वाकांक्षा के लिए एक बड़ा जोखिम पैदा कर सकती हैं।

भारत का कपड़ा क्षेत्र सकल घरेलू उत्पाद में 2.3% और निर्यात में 12% का योगदान देता है, और सरकार ने विकास को समर्थन देने के लिए वित्त वर्ष 25 के लिए इस क्षेत्र के लिए अपने बजट आवंटन को बढ़ाकर ₹4,417.09 करोड़ कर दिया है।

हालाँकि, फाउंडेशन फॉर इकोनॉमिक डेवलपमेंट (FED) के मिहिर पारेख जैसे उद्योग विशेषज्ञों के अनुसार, कपास फाइबर पर 10% आयात शुल्क और कच्चे माल की बढ़ती लागत जैसी चुनौतियाँ भारत की निर्यात प्रतिस्पर्धा को कमज़ोर कर सकती हैं।

TOP 5 NEWS OF THE WEEK

पंजाब में कपास की कटाई शुरू, इस सीजन में पैदावार दोगुनी होने की उम्मीद है

पंजाब में कपास की कटाई शुरू हो गई है, विशेषज्ञों को पिछले साल की तुलना में दोगुनी पैदावार की उम्मीद है, जिससे किसानों को राहत मिली है क्योंकि कीटों का प्रभाव न्यूनतम है।

बुवाई क्षेत्र में कमी और बारिश की चिंताओं ने गुजरात में कपास की कीमतों को बढ़ाया है

गुजरात में कपास की कीमतें ₹8,500 प्रति क्विंटल से अधिक हो गई हैं, जो पिछले तीन वर्षों में सबसे अधिक है, ऐसा बुवाई क्षेत्रों में कमी और भारी बारिश के कारण कम पैदावार की आशंकाओं के कारण हुआ है। अगस्त के अंत से कीमतों में वृद्धि हो रही है, जिससे किसानों को अपनी फसल पर बेहतर रिटर्न की उम्मीद है।

MP में मुहूर्त के पांचवें दिन कपास की बंपर आवक, रेट में ₹200 की बढ़ोतरी, किसान खुश है

खरगोन: मध्य प्रदेश के खरगोन की ए-श्रेणी कपास मंडी में मुहूर्त के बाद से लगातार कपास की आवक में तेजी देखी जा रही है। शुक्रवार को नीलामी के पांचवें दिन 7,300 क्विंटल कपास की आवक हुई, जो गुरुवार के मुकाबले 2,300 क्विंटल अधिक रही। खरगोन जिला राज्य का सबसे बड़ा कपास उत्पादक है और यहां का कपास 'सफेद सोना' के नाम से देश-विदेश में प्रसिद्ध है।

महाराष्ट्र में लगातार बारिश के कारण कपास सीजन के लंबे खिंचने की संभावना है

हर साल दशहरा और दिवाली के दौरान किसान अपनी पहली कपास की फसल बेचकर आवश्यक धन प्राप्त करते थे। हालांकि, इस साल लगातार हो रही बारिश के कारण कपास की बोंड बनने और खिलने की प्रक्रिया में देरी हो रही है, जिससे कपास सीजन के लंबा खिंचने की संभावना जताई जा रही है। केंद्रीय कपास अनुसंधान संस्थान के विशेषज्ञों के अनुसार, यह देरी इस साल कपास की फसल पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाल सकती है।

इस सप्ताह, इंटरनेशनल मार्केट मे मिलाजुला वाला माहौल रहा।

इस सप्ताह, इंटरनेशनल मार्केट मे मिलाजुला वाला माहौल रहा।

नार्थ झोन के पंजाब, हरयाणा और अपर राजस्थान राज्य में 25-35 रुपए प्रति मंड तक की बढ़त दर्ज की गई।

सेंट्रल झोन के गुजरात राज्य में 900 रुपए प्रति कैंडी की बढ़त देखि गई, वही महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश राज्य में स्थिरता रही ।

साउथ झोन के कर्णाटक राज्य में 1000 रुपए प्रति कैंडी की गिरावट रही, जबकि ओड़िशा राज्य में 500 रुपए प्रति कैंडी की बढ़त दर्ज की गई, वही आँध्रप्रदेश ,तेलंगाना राज्य में स्थिरता नज़र आयी।

SMART INFO SERVICES
india.smartinfo@gmail.com
Call : 91116 77771

DATE: 21.09.2024

WEEKLY COTTON BALES MARKET

STATE	STAPLE LENGTH	16.09.2024		21.09.2024		CHANGE
		LOW	HIGH	LOW	HIGH	
NORTH ZONE						
PUNJAB	28.5	5,880	5,900	5,915	5,925	25
HARYANA	27.5/28	5,775	5,790	5,825	5,825	35
UPPER RAJASTHAN	28	5,525	5,900	5,525	5,925	25
CENTRAL ZONE						
GUJARAT	29	59,000	60,300	59,800	61,200	900
MADHYA PRADESH	29	59,500	59,700	59,500	59,700	0
MAHARASHTRA	29+ vid.	58,800	59,800	58,800	59,800	0
SMART INFO SERVICES CALL : 91116 77771						
SOUTH ZONE						
ODISHA	29.5+	60,300	60,400	60,800	60,900	500
KARNATAKA	29.5+	59,500	60,000	58,500	59,000	-1,000
ANDHRA PRADESH	29 mic 4+	59,000	59,500	59,000	59,500	0
TELANGANA	29.5/30 mm 78-80 RD	60,500	61,000	60,500	61,000	0
NOTE : There may be some changes in the rate depending on the quality.						
Punjab, Haryana and Rajasthan rates in maund the rest in Candy						

Download Our App "SIS CONNECT" For Daily Updates. CLICK HERE
FOR MORE INFORMATION
CONTACT - +91 - 91119 77775

NEWSLETTER

Saturday, 21 september 2024 | Volume - 116

News | Cotton Weekly Physical chart | Share Market Update | Important News

भा.क.नि.
CCI
भारतीय कपास निगम लिमिटेड
(भारत सरकार का उपक्रम, वस्त्र मंत्रालय के अंतर्गत)
The Cotton Corporation of India Ltd.

"Cotton Corporation of India (CCI): Establishment, Objectives, Functioning and Its Benefits"

GOLD : 74014
SILVER : 90080
CRUDE OIL : 5976

"Cotton Corporation of India (CCI): Establishment, Objectives, Functioning and Its Benefits"

The Cotton Corporation of India (CCI) was established on 31 July 1970. Its main objective was to streamline the cotton trade and protect the interests of farmers. Cotton cultivation is an important agricultural activity in India, but in the past cotton farmers faced many problems, such as a sharp drop in price in the market, not getting a fair price, and the need to improve the quality of cotton.

Reasons for starting CCI:

To provide fair price to farmers: Before 1970, cotton prices used to fluctuate excessively, causing losses to farmers. CCI was formed so that the minimum support price (MSP) for cotton could be fixed and farmers could be given a fair price.

To bring stability in the market: Both farmers and traders suffered losses due to instability in cotton prices. CCI was started so that there is stability in the market and cotton prices remain balanced in the interest of farmers.

भा.क.नि.
C.C.I.

Improving the quality of cotton: Through CCI, the government's objective was to provide high quality seeds and technical information for cultivation to the farmers, which would improve the quality of production and also increase the demand for Indian cotton in international markets.

Promoting cotton exports: Another major objective of CCI was to promote the export of Indian cotton. Under this, CCI buys cotton from farmers and sends it to international markets, thereby earning foreign exchange and strengthening the identity of Indian cotton at the global level.

The objective of CCI was to get fair price of the crop to the farmers and to encourage stability and development in the cotton industry, so that the economic condition of the farmers could improve.

Function of Cotton Corporation of India (CCI) and benefits for farmers

The main objective of the Cotton Corporation of India (CCI) is to streamline the cotton trade in India and get the right price of cotton to the farmers. This corporation was established in 1970 and is a public sector undertaking.

Functions of CCI:

- **Procurement of cotton:** CCI purchases cotton at the government minimum support price (MSP) so that farmers do not suffer losses in case of a fall in market prices.

- **Protection of farmers:** If the price of cotton in the market is less than the MSP, then CCI buys cotton directly from the farmers. This does not force the farmers to sell their produce at low prices.

- **Quality of cotton:** CCI ensures that farmers get good quality seeds and farming guidance so that cotton production can be improved.

- **Marketing support:** CCI also helps in marketing cotton and works to reach it to domestic and international markets. This increases the chances of farmers getting good prices.

Benefits for farmers:

- **MSP guarantee:** CCI guarantees farmers the minimum support price for their crop, which protects them from losses.

- **Market stability:** Purchases made by CCI maintain stability in the market and protect against excessive fluctuations in prices.

- **Support and guidance:** CCI provides technical support and information to farmers during farming so that they can improve the quality of production.

- **Transparency in payment:** Farmers get direct payment through CCI, which saves them from market middlemen.

The main objective of CCI is to improve the income of farmers by getting them the right price for cotton, thereby empowering them economically.

Download Our App "SIS CONNECT" For Daily Updates. CLICK HERE

FOR MORE INFORMATION
CONTACT - +91 - 91119 77775

look at the weekly movement of the cotton market

SMART INFO SERVICES CALL : 91116 77771 WEEKLY CHART 21.09.2024			
ICE COTTON			
MONTH	13.09.24	20.09.24	WEEKLY CHANGE
DEC	69.82	73.52	3.70
MAR'25	71.24	75.14	3.90
MAY'25	72.41	76.16	3.75
MCX (COTTON)			
SEP	58600	58500	-100
NOV	58100	58800	700
NCDEX (KAPAS)			
APRIL	1615.2	1625.5	10
NCDEX (COCUD KHAL)			
SEP	3715	3650	-65
DEC	3069	3031	-38
JAN	3015	2989	-26
SMART INFO SERVICE		**CALL : 91116 77771**	
CURRENCY ($)			
INDIAN (Rupee)	83.89	83.56	-0.33
PAK (Pakistani Rupee)	278.575	278.245	-0.33
CNY (Chinese yuan)	7.09305	7.05059	-0.04246
BRAZIL (Real)	5.56502	5.51463	-0.05039
AUSTRALIAN Dollar	1.49164	1.46886	-0.02278
MALAYSIAN RINGGITS	4.30195	4.20307	-0.09888
COTLOOK "A" INDEX	81.95	84.55	2.6
BRAZIL COTTON INDEX	70.52	72.05	1.53
USDA SPOT RATE	63.76	67.13	3.37
MCX SPOT RATE	59760	59920	160
KCA SPOT RATE (PAKISTAN)	18500	18700	200
GOLD ($)	2610.70	2646.20	35.5
SILVER ($)	31.074	31.505	0.431
CRUDE ($)	68.65	71.00	2.35

This week, the international market witnessed a mixed trend.

Intercontinental Cotton Exchange prices rose by 3.70 cents in December, 3.90 cents in March and 3.75 cents in May.

On the Indian market, MCX cotton prices fell by Rs 100 in September, while in November it rose by Rs 700.

On NCDEX, cotton prices rose by Rs 10 per 20 kg, while the prices of oil cake fell by Rs 65 in September, Rs 38 in December and Rs 26 per quintal in January.

If we look at the cotton market of other countries, Cotlook "A" index saw an increase, USDA spot rate increased by 3.37 cents, while MCX spot rate saw an increase of Rs 160 per candy.

Cotton arrivals this week in major cotton producing states across the country

SMART INFO SERVICES ALL INDIA COTTON WEEKLY ARRIVAL CALL : 91116 77771						
STATE	16.09.24	17.09.24	18.09.24	19.09.24	20.09.24	21.09.24
PUNJAB	-	-	-	-	-	-
HARYANA	100	200	100	250	300	400
UPPER RAJASTHAN	-	-	-	-	-	-
LOWER RAJASTHAN	-	-	-	-	-	-
NORTH ZONE	100	200	100	250	300	400
GUJARAT	1,700	2,400	1,700	2,700	2,900	2,900
MADHYA PRADESH	3,000	2,000	3,000	1,500	2,500	3,000
MAHARASHTRA	1,500	1,500	1,500	1,500	1,500	1,500
CENTRAL ZONE	6,200	5,900	6,200	5,700	6,900	7,400
KARNATAKA	1,000	1,600	1,000	1,500	1,500	2,000
ANDHRA PRADESH	800	500	800	1,000	1,000	790
TELANGANA	-	-	-	300	400	-
TAMILNADU	-	-	-	-	-	-
SOUTH ZONE	1,800	2,100	1,800	2,800	2,900	2,790
ODISHA	-	-	-	-	-	-
TOTAL	8,100	8,200	8,100	8,750	10,100	10,590
ARRIVAL IN 170 Kg.						

Lower cotton sowing in kharif season may hit India's textile export targets amid fall in production

The lower cotton sowing in the current kharif season is raising concerns over India's ability to meet its ambitious textile export targets. According to industry sources, this comes at a time when Indian readymade garment (RMG) exporters were hoping to take advantage of the ongoing crisis in Bangladesh.

According to agriculture ministry data, cotton sowing as of September 13 declined to 11.24 million hectares as against 12.36 million hectares in the same period last year. This decline adds to the already existing challenges faced by Indian cotton production in recent years.

"Production has been declining and lower sowing levels this year are expected to further reduce cotton bale production," an industry insider said. Sowing is expected to reach 11.6 million hectares with additional contribution from summer sowing in Tamil Nadu, Telangana and Karnataka.

Impact on exports

A fall in cotton production could impact India's textile exports, which are already on a decline. After peaking at $41.12 billion in FY22, textile exports fell to $35.55 billion in FY23 and $34.40 billion in FY24. Due to reduced cotton sowing, achieving the government's export target of over $40 billion by FY25 will be challenging.

India's cotton production, which had peaked at 36 million bales in FY20, is declining, with the current estimate for FY24 being 32 million bales.

Shift to other crops

Outdated seed technology and high labour costs have led many cotton farmers to shift to alternative crops such as soybean and paddy. Ganesh Nanote, a cotton farmer from Maharashtra, said, “Cotton cultivation requires more resources and efforts compared to other crops like soybean, making it less attractive for farmers.”

Rising export targets

India’s textile and apparel industry is projected to grow at a 10% CAGR, reaching $350 billion by 2030. The country also aims to increase textile exports to $100 billion by 2030. However, low cotton sowing and rising cotton prices could pose a major risk to this ambition.

India’s textile sector contributes 2.3% to GDP and 12% to exports, and the government has increased its budget allocation for the sector to ₹4,417.09 crore for FY25 to support growth.

However, according to industry experts like Mihir Parekh of the Foundation for Economic Development (FED), challenges such as 10% import duty on cotton fibre and rising raw material costs could weaken India’s export competitiveness.

TOP 5 NEWS OF THE WEEK

Cotton harvesting begins in Punjab, yield expected to double this season

Cotton harvesting has begun in Punjab, with experts expecting double the yield compared to last year, bringing relief to farmers as the impact of pests is minimal.

Reduction in sowing area and rain concerns have pushed up cotton prices in Gujarat

Cotton prices in Gujarat have risen to over ₹8,500 per quintal, the highest in the last three years, due to reduction in sowing areas and fears of lower yields due to heavy rains. Prices have been rising since the end of August, with farmers hoping for better returns on their crop.

Bumper arrival of cotton on the fifth day of Muhurta in MP, rate hiked by ₹200, farmers are happy

Khargone: A-category cotton market in Khargone, Madhya Pradesh has been witnessing a steady increase in cotton arrivals since the Muhurta. On Friday, the fifth day of the auction, 7,300 quintals of cotton arrived, which was 2,300 quintals more than Thursday. Khargone district is the largest cotton producer in the state and the cotton here is famous in the country and abroad as 'white gold'.

Cotton season likely to be prolonged due to continuous rains in Maharashtra

Every year during Dussehra and Diwali, farmers used to get the necessary money by selling their first cotton crop. However, due to continuous rains this year, the process of formation and blooming of cotton is getting delayed, due to which the cotton season is likely to be prolonged. According to experts of the Central Cotton Research Institute, this delay can have a significant impact on the cotton crop this year.

This week, the international market witnessed a mixed trend.

This week, the international market witnessed a mixed trend.

North Zone states of Punjab, Haryana and Upper Rajasthan witnessed a rise of 25-35 rupees per candy.

Central Zone state of Gujarat witnessed a rise of 900 rupees per candy, while Maharashtra and Madhya Pradesh remained stable.

South Zone state of Karnataka witnessed a fall of 1000 rupees per candy, while Odisha witnessed a rise of 500 rupees per candy, while Andhra Pradesh and Telangana remained stable.

SMART INFO SERVICES
india.smartinfo@gmail.com
Call : 91116 77771

DATE: 21.09.2024

WEEKLY COTTON BALES MARKET

STATE	STAPLE LENGTH	16.09.2024		21.09.2024		CHANGE
		LOW	HIGH	LOW	HIGH	
NORTH ZONE						
PUNJAB	28.5	5,880	5,900	5,915	5,925	25
HARYANA	27.5/28	5,775	5,790	5,825	5,825	35
UPPER RAJASTHAN	28	5,525	5,900	5,525	5,925	25
CENTRAL ZONE						
GUJARAT	29	59,000	60,300	59,800	61,200	900
MADHYA PRADESH	29	59,500	59,700	59,500	59,700	0
MAHARASHTRA	29+ vid.	58,800	59,800	58,800	59,800	0
SMART INFO SERVICES CALL : 91116 77771						
SOUTH ZONE						
ODISHA	29.5+	60,300	60,400	60,800	60,900	500
KARNATAKA	29.5+	59,500	60,000	58,500	59,000	-1,000
ANDHRA PRADESH	29 mic 4+	59,000	59,500	59,000	59,500	0
TELANGANA	29.5/30 mm 78-80 RD	60,500	61,000	60,500	61,000	0
NOTE : There may be some changes in the rate depending on the quality.						
Punjab, Haryana and Rajasthan rates in maund the rest in Candy						

Download Our App "SIS CONNECT" For Daily Updates. CLICK HERE
FOR MORE INFORMATION
CONTACT - +91 - 91119 77775